सपनों की उड़ान (गुब्बारों पर नाम अंकित कर आत्मीय स्वागत)

कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य (Objectives)

- स्कूल के प्रति भय को दूर करना: घर के माहौल से निकलकर पहली बार या लंबी छुट्टियों के बाद स्कूल आने वाले बच्चों के मन में एक झिझक या डर होता है। इस रंग-बिरंगे स्वागत का उद्देश्य स्कूल को एक डरावनी जगह के बजाय एक "उत्सव के घर" के रूप में पेश करना है।
- व्यक्तिगत पहचान और महत्व देना (Individual Identity): हर बच्चे के नाम का गुब्बारा होना यह दर्शाता है कि स्कूल के लिए हर एक बच्चा (नोनी-बबू) विशेष है। इसका उद्देश्य बच्चों को यह अहसास कराना है कि स्कूल में उनकी एक खास जगह और पहचान है।
- सकारात्मक दृष्टिकोण (Positive Attitude) का निर्माण: शिक्षा की शुरुआत आनंदमयी माहौल में करके बच्चों के भीतर ज्ञान अर्जित करने के प्रति एक सकारात्मक और परोपकारी दृष्टिकोण
  विकसित करना।

  आवश्यक सामग्री – रंगबिरंगे अलग अलग कलर के गुब्बारे और चमकीला मार्कर।

गतिविधि – प्रवेश उत्सव की सुबह सभी बच्चों के नाम आकर्षक अक्षरों मे अलग-अलग रंगों के गुब्बारों पर मार्कर से लिख लिए जाते है जैसे ही बच्चे शाला मे प्रवेश करता है उनका तिलक लगाकर स्वागत किया जाता है और उनको उनके नाम का गुब्बारा सौपा जाता है।

बच्चों के लिए लाभ:

- **आत्मविश्वास में वृद्धि (Boosts Self-Confidence): जब बच्चा** गुब्बारे पर अपना नाम बड़े अक्षरों में लिखा देखता है, तो उसका आत्मसम्मान और आत्मविश्वास बढ़ता है। उसे महसूस होता है कि उसका स्वागत पूरे सम्मान के साथ किया जा रहा है।
- **स्कूल आने की उत्सुकता**: रंग-बिरंगे गुब्बारे बच्चों के आकर्षण का केंद्र होते हैं । ऐसा स्वागत पाकर बच्चों का मन स्कूल आने के लिए उत्साहित रहता है, जिससे शुरुआती दिनों में होने वाली 'स्कूल ड्रॉपआउट' या रोने-धोने की समस्या कम होती है।
- **समानता का भाव**: चाहे बच्चा किसी भी पृष्ठभूमि से आता हो, जब हर बच्चे के हाथ में उसके नाम का एक जैसा सुंदर गुब्बारा होता है, तो उनके बीच आपसी समानता और भाईचारे की भावना पैदा होती है। स्थानीय संस्कृति से जोड़ना: जब इस उत्सव को छत्तीसगढ़ी बोली और लोक-रंग से जोड़ा जाता है, तो इसका उद्देश्य बच्चों को अपनी जड़ों, माटी और भाषा पर गर्व महसूस कराना होता है।

अभिभावकों और समाज के लिए लाभ:

- **पालकों में संतोष और भरोसा**: जब माता-पिता अपने बच्चों का ऐसा आत्मीय

स्वागत देखते हैं, तो उनका स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों के प्रति विश्वास कई गुना बढ़ जाता है। उन्हें तसल्ली होती है कि उनका बच्चा सुरक्षित और खुशहाल माहौल में है।

- **शत-प्रतिशत नामांकन** (100% Enrollment) को बढ़ावा: गांव या मोहल्ले में जब बच्चे रंग-बिरंगे गुब्बारे लेकर घर लौटते हैं, तो यह पूरे समुदाय में एक सकारात्मक संदेश देता है। इससे प्रेरित होकर अन्य अभिभावक भी अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए जागरूक होते हैं।

शिक्षकों के लिए लाभ:

- 'आइस-ब्रेकिंग' (झिझक मिटाना): गुब्बारे के माध्यम से शिक्षक बहुत आसानी से बच्चों के साथ बातचीत शुरू कर सकते हैं। बच्चों का नाम पुकार कर उन्हें गुब्बारा सौंपने से शिक्षक और छात्र के बीच का पहला रिश्ता बेहद मजबूत और दोस्ताना बनता है।

एक पंक्ति में कहें तो: इस प्रवेश उत्सव का लाभ यह है कि यह शिक्षा की नींव को "भयमुक्त, बाल-मित्रवत और आनंदमयी" बनाता है, जो कि नई शिक्षा नीति का भी मुख्य आधार है।

https://youtube.com/shorts/zTdzZa5s7io?si=lhL1PPhtiHR8GyKG

प्रस्तुति –

श्रीमती नीतिका जेकब

माध्यमिक शाला पुरानी बस्ती कोरबा

विकासखण्ड – कोरबा छत्तीसगढ़

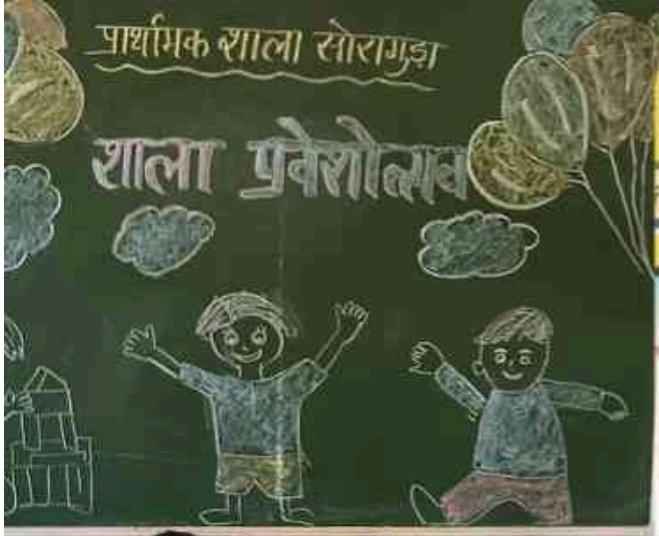
प्राथमिक शाला सोरागुड़ा
शाला प्रवेशोत्सव

प्राथमिक शाला सोरागुड़ा
शाला प्रवेशोत्सव

शाला प्रवेशोत्सव

WELCOME

प्राथमिक शाला सोरागुड़ा
शाला प्रवेशोत्सव

छात्रों के नाम से
वृक्षारोपण
छात्रों के नाम से
वृक्षारोपण